QP CODE: 25022188

25022188

Reg No : ....

Name : ....

MA DEGREE (CSS) SPECIAL REAPPEARANCE EXAMINATION, APRIL 2025

Third Semester

MA HINDI

CORE - HN010301 - MODERN POETRY - I

2019 ADMISSION ONWARDS

4B2FBC0C

Time: 3 Hours

Weightage: 30

Part A (Short Answer Questions)

*Answer any **eight** questions.*

*Weight **1** each.*

1. द्विवेदी युग के प्रमुख कवियों का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
2. प्रेम और मस्ती का काव्य।
3. साकेत' महाकाव्य में प्रकृति-सौन्दर्य का चित्रण।
4. नामकरण की दृष्टि से 'कामायनी' शीर्षक की सार्थकता |
5. संध्या सुंदरी' कविता में प्रकृति के अलंकृत रूप का अंकन कैसे किया गया है ?
6. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा की प्रमुख कवयित्री सुभद्राकुमारी चौहान।
7. कवि त्रिलोचन के जीवन और साहित्य-सृजन का परिचय दीजिए।
8. ग्राम्या ' में ग्रामीण जीवन - यथार्थ का चित्रण हुआ है - व्यक्त कीजिए।
9. मैं और तू' कविता का आस्वादन तैयार कीजिए |
10. उर्वशी' काव्य के प्रमुख पात्रों का परिचय दीजिए।

(8×1=8 weightage)

Part B (Short Essay/Problems)

*Answer any **six** questions.*

*Weight **2** each.*

11. "करुणे, क्यों रोती है ? 'उत्तर' में और अधिक तू रोई- मेरी विभूति है जो, उसको भव-भूति क्यों कहे कोई ?" - व्याख्या कीजिए।

12. " यही ठीक , टंकार सोती रहे, सभी ओर झंकार होती रहे। सुनो, किन्तु है लोभ संसार में , इसी हेतु है क्षोभ संसार में। " - व्याख्या कीजिए।

13. " किन्तु, उसीने ला टकराया इस उत्तरगिरी के शिर से , देव-सृष्टि का ध्वंस अचानक श्वास लगा लेने फिर से। आज अमरता का जीवित हूँ मैं वह भीषण जर्जर दंभ, आह सर्ग के प्रथम अंक का अधम पात्रमय सा विष्कम्भ !" - व्याख्या कीजिए।

14. " वह कामायनी जगत की मंगल - कामना - अकेली, थी - ज्योतिष्मती प्रफुल्लित मानस तट की वन बेली । वह विश्व - चेतना पुलकित थी पूर्ण - काम की प्रतिमा , जैसे गंभीर महाह्रद हो भरा विमल जल महिमा। " - व्याख्या कीजिए।

15. " कलम मेरा नही लगता मेरा जीवन आप जगता तू है नकली, मै हूँ मौलिक तू है बकरा, मै हूँ कौलिक। " - व्याख्या कीजिए।

16. " अर्द्धरात्रि की निश्चलता में हो जाती जब लीन, कवि का बढ़ जाता अनुराग, विरहाकुल कमनीय कंठ से, आप निकल पड़ता तब एक विहाग !" - व्याख्या कीजिए।

17. " ओ, प्रिय ऋतुराज! किन्तु धीरे से आना, यह है शोक-स्थान यहाँ मत शोर मचाना। वायु चले, पर मंद चाल से उसे चलाना, दुःख की आहें संग उड़ा कर मत ले जाना । " - व्याख्या कीजिए।

18. " सुख आये दुख आये दिन आये रात आये फूल में कि धूल में आये जैसे जब आये सुख दुख एक भी अकेले सहा नहीं जाता। " - व्याख्या कीजिए।

(6×2=12 weightage)

Part C (Essay Type Questions)

*Answer any **two** questions.*

*Weight **5** each.*

19. छायावादी काव्यधारा की प्रमुख प्रवृतियों का विश्लेषण कीजिए।

20. साकेत विरह काव्य है -तर्कसंगत उत्तर दीजिए |

21. नारी विमर्श की दृष्टि से 'कामायनी' महाकाव्य का मूल्यांकन कीजिए।

22. महादेवी वर्मा के काव्य में अभिव्यक्त रहस्यवाद एवं वेदना तत्व का विश्लेषण कीजिए।

(2×5=10 weightage)